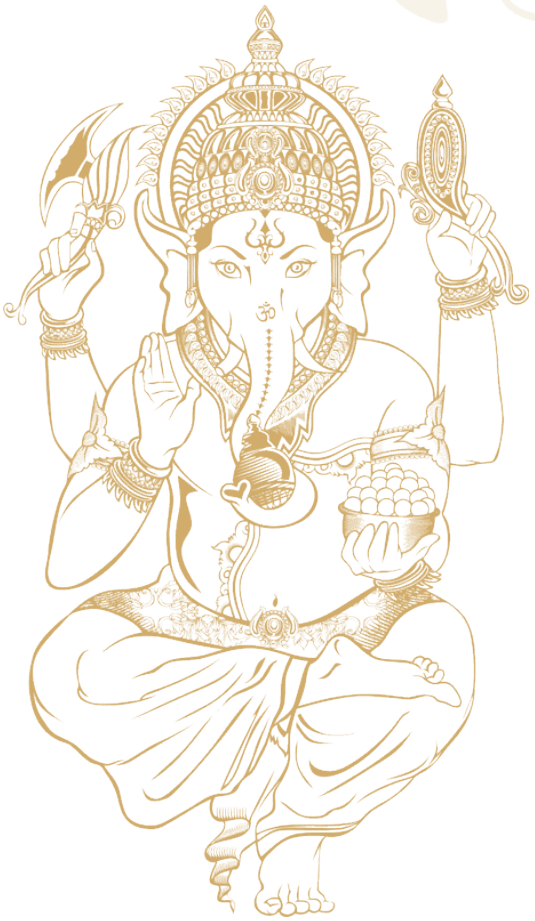

06 Nov 2009

05:11 AM

Chitrakut

Model: web-freekundliweb

Order No: 121547307

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**5-06/11/2009**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**05:11:00 घंटे**
इष्ट	57:14:31 घटी
स्थान	**Chitrakut**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:13:00 उत्तर
रेखांश	80:48:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:06:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:04:12 घंटे
वेलान्तर	00:16:27 घंटे
साम्पातिक काल	08:05:31 घंटे
सूर्योदय	06:17:11 घंटे
सूर्यास्त	17:23:32 घंटे
दिनमान	11:06:21 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	19:41:44 तुला
लग्न के अंश	04:12:57 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 3**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	शिव
करण	बव
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	पूर्व
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	का-कमल
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	04:12:57	320:30:57	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	---
सूर्य			तुला	19:41:44	01:00:09	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	नीच राशि
चंद्र			मिथु	01:14:44	14:13:13	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	मित्र राशि
मंगल			कर्क	15:18:48	00:24:29	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	नीच राशि
बुध		अ	तुला	20:05:47	01:36:54	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	मित्र राशि
गुरु			मक	24:06:08	00:04:37	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	नीच राशि
शुक्र			तुला	03:27:42	01:15:04	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	मूलत्रिकोण
शनि			कन्या	06:46:06	00:06:08	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	बुध	मित्र राशि
राहु	व		धनु	29:34:31	00:04:03	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	नीच राशि
केतु	व		मिथु	29:34:31	00:04:03	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	चंद्र	नीच राशि
हर्ष	व		कुंभ	28:58:59	00:01:15	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	सूर्य	---
नेप			मक	29:41:33	00:00:02	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	---
प्लूटो			धनु	07:26:08	00:01:36	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	---
दशम भाव			कर्क	05:14:03	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:59:55

लग्न-चलित

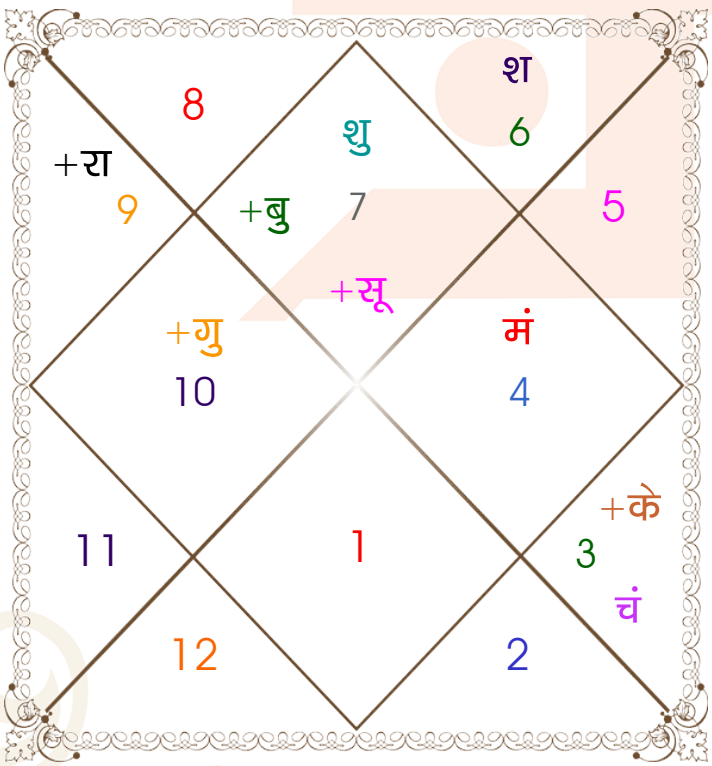

चन्द्र कुंडली

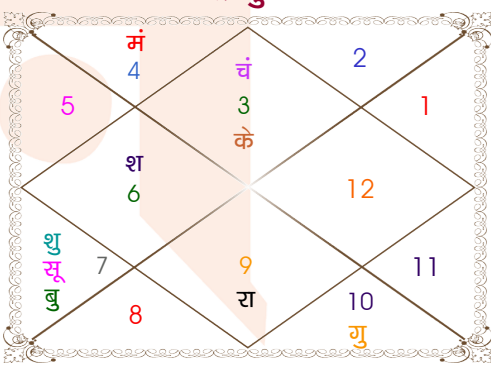

नवमांश कुंडली

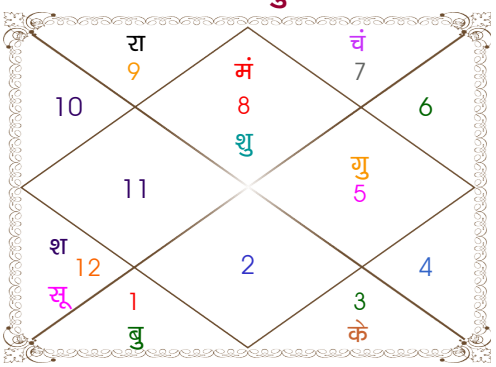

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 2 वर्ष 10 मास 4 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
06/11/2009		10/09/2012		11/09/2030		11/09/2046		11/09/2065	
10/09/2012		11/09/2030		11/09/2046		11/09/2065		11/09/2082	
	00/00/0000	राहु	24/05/2015	गुरु	29/10/2032	शनि	14/09/2049	बुध	07/02/2068
	00/00/0000	गुरु	17/10/2017	शनि	12/05/2035	बुध	24/05/2052	केतु	03/02/2069
	00/00/0000	शनि	23/08/2020	बुध	17/08/2037	केतु	03/07/2053	शुक्र	05/12/2071
	06/11/2009	बुध	12/03/2023	केतु	24/07/2038	शुक्र	01/09/2056	सूर्य	11/10/2072
बुध	09/03/2010	केतु	30/03/2024	शुक्र	24/03/2041	सूर्य	14/08/2057	चंद्र	12/03/2074
केतु	05/08/2010	शुक्र	31/03/2027	सूर्य	10/01/2042	चंद्र	15/03/2059	मंगल	09/03/2075
शुक्र	05/10/2011	सूर्य	22/02/2028	चंद्र	12/05/2043	मंगल	23/04/2060	राहु	26/09/2077
सूर्य	10/02/2012	चंद्र	23/08/2029	मंगल	17/04/2044	राहु	28/02/2063	गुरु	02/01/2080
चंद्र	10/09/2012	मंगल	11/09/2030	राहु	11/09/2046	गुरु	11/09/2065	शनि	11/09/2082

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
11/09/2082		11/09/2089		12/09/2109		12/09/2115		12/09/2125	
11/09/2089		12/09/2109		12/09/2115		12/09/2125		00/00/0000	
केतु	07/02/2083	शुक्र	10/01/2093	सूर्य	30/12/2109	चंद्र	12/07/2116	मंगल	08/02/2126
शुक्र	08/04/2084	सूर्य	10/01/2094	चंद्र	01/07/2110	मंगल	10/02/2117	राहु	26/02/2127
सूर्य	14/08/2084	चंद्र	11/09/2095	मंगल	06/11/2110	राहु	12/08/2118	गुरु	02/02/2128
चंद्र	15/03/2085	मंगल	10/11/2096	राहु	30/09/2111	गुरु	12/12/2119	शनि	13/03/2129
मंगल	11/08/2085	राहु	11/11/2099	गुरु	18/07/2112	शनि	13/07/2121	बुध	07/11/2129
राहु	30/08/2086	गुरु	13/07/2102	शनि	30/06/2113	बुध	12/12/2122		00/00/0000
गुरु	05/08/2087	शनि	12/09/2105	बुध	07/05/2114	केतु	13/07/2123		00/00/0000
शनि	13/09/2088	बुध	12/07/2108	केतु	12/09/2114	शुक्र	13/03/2125		00/00/0000
बुध	11/09/2089	केतु	12/09/2109	शुक्र	12/09/2115	सूर्य	12/09/2125		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 2 वर्ष 10 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगे। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगा। आप अपनी पत्नी के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र के विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगे। आप अपनी पत्नी की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पत्नी के आकर्षक के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकते हैं। संप्रति आप अपनी संगिनी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगे कि आपको एक अच्छी जीवन संगिनी प्राप्त हुई है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि की जीवन संगिनी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि की संगिनी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपनी जीवन संगिनी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगे। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपका संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगे। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगे। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु वृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु आपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए।

आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके। यह जानते हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकते हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाते हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकते हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति के हो जाते है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सके तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगा। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रूचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।